सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 180 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 5 अगस्त, 2023
मूल्य ₹ 3/-

मैंने एक बार पढ़ा था कि जो लोग दूसरों को पढ़ते हैं वो बुद्धिमान होते हैं, लेकिन जो खुद को पढ़ते हैं वो प्रबुद्ध होते हैं।

रॉबिन शर्मा

इंडिया की जीत का सिलसिला... 2 | सुप्रीम कोर्ट के फैसले का 24 पर पड़ेगा... 3 | भारतीय महिला टीम ने साधा स्वर्णिम... 7

महबूबा की गिरफ्तारी पर गरमाई सियासत

» आर्टिकल-370 निरस्त होने की सालगिरह पर घर में ही किया गया नजरबंद

» सरकार बोली-राज्य में आया अमन-चैन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल-370 के निरस्त हुए आज चार साल पूरे हो गए। सालगिरह पर सियासत भी गरमा गई है। जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक पार्टियां इसके विरोध में कार्यक्रम करना चाहती थीं जिसे वहां के प्रशासन ने रोक दिया। पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी को विपक्षी दलों ने सरकार की तानाशाही बताया है जबकि बीजेपी ने कहा है पूरे प्रदेश में अमन व चैन कायम है।

ज्ञात जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम और पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती को शनिवार (5 अगस्त) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसकी जानकारी उन्होंने खुद ट्वीट करके दी। आज ही के दिन चार साल पहले जम्मू कश्मीर से धारा 370 को हटाते हुए उसको केंद्रशासित प्रदेश घोषित कर दिया गया था। जम्मू कश्मीर पुलिस के विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक यह कदम उस इनपुट के बाद उठाया गया है जिसमें पीडीपी नेता धारा 370 की बरसी पूरे प्रदेश में विरोध-प्रदर्शन करने की योजना बना रहे थे। वहीं, मुफ्ती को उनके घर में ही नजरबंद किए जाने की जानकारी खुद पूर्व सीएम ने ट्वीट करके दी।

विपक्ष ने मोदी सरकार को बताया तानाशाह

पीडीपी का मुख्यालय सील

प्रशासन ने श्रीनगर में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) का मुख्यालय सील कर दिया है, यहां तक कि किसी भी कर्मचारी को भी कार्यालय में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई है। पीडीपी ने 5 अगस्त यानी जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने की वर्षगांठ के विरोध में शांतिपूर्ण कार्यक्रम को लेकर अनुमति मांगी थी। जिला प्रशासन ने कार्यक्रम की अनुमति न देने के साथ ही पीडीपी नेताओं के खिलाफ ये कार्रवाई की है। अनुच्छेद 370 को जम्मू-कश्मीर से हटे आज यानी शनिवार को पूरे चार साल हो गए हैं। पीडीपी मुख्यालय श्रीनगर के सामने शेर-ए-कश्मीर पार्क में एक शांतिपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए जिला मजिस्ट्रेट (डीसी) श्रीनगर से उचित अनुमति मांगी थी, लेकिन प्रशासन ने अनुमति देने से इनकार कर दिया।

पाक सेना व शहबाज ने उगला जहर

पाकिस्तान में आज यौम-ए-इस्तेहसाल मनाया जा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान हर साल जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म करने की बरसी को इसी तरह से मातम के साथ मनाता है। इस मौके पर पाकिस्तानी सेना ने भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला है। पाकिस्तानी सेना ने आरोप लगाया है कि जम्मू कश्मीर में भारत की कार्रवाइयों से क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हुआ है। हालांकि, पाकिस्तानी सेना ने यह नहीं बताया कि वह अपनी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद को कैसे बढ़ावा दे रहा है। कश्मीर में जारी पाकिस्तानी आतंकवाद में हजारों निर्दोष नागरिकों की मौत हो चुकी है। इसी आतंकवाद के कारण पाकिस्तान को पूरी दुनिया में हिकारत की नजरों से देखा ज। रहा है। इसके बावजूद पाकिस्तानी हुक्मरानों को समझ नहीं आ रहा कि आतंकवाद को पालने-पोसने से उसे कोई फायदा नहीं होने वाला। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कश्मीरियों के लिए अपना समर्थन को दोहराते हुए भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरी लोगों के स्वतंत्रता संग्राम के उचित और उचित कारण को अपना नैतिक, राजनीतिक और राजनयिक समर्थन देना जारी रखेगा। हालांकि, वो भूल गए कि उनका देश कश्मीर के एक बड़े हिस्से पर अवैध तरीके से कब्जा किया हुआ है।

सड़कों पर हिंसा का युग खत्म, अब हड़तालें नहीं होती : एलजी मनोज सिन्हा

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि कश्मीर में सड़कों पर हिंसा का युग समाप्त हो गया है। सड़कें अब पूरी तरह सुरक्षित हैं। इसके कारण लोग देर शाम तक घर लौट सकते हैं। पहले हड़तालों और सड़कों पर हिंसा के कारण लोगों की जान हमेशा जोखिम में रहती थी। वह हंदवाड़ा में एक बहुउद्देश्यीय इंडोर स्टेडियम के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। हिंसा का समर्थन करने वालों को उनके कामों के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। सरकार किसी भी स्तर पर निर्दोष नागरिकों को कोई नुकसान बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कश्मीर के लोगों से शांतिपूर्ण तरीकों से अपने मतभेदों को सुलझाने का आग्रह किया। उन्होंने घाटी में जारी खेल जारी गतिविधियों में युवाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रसन्नता जताई, खुलासा किया कि कश्मीर अब देश में सबसे ज्यादा खेल बजट उपलब्ध कराने वाल प्रदेश है। यह अपने नागरिकों के लिए एक स्वस्थ और अधिक सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

ज्ञानवापी मस्जिद में फिर सर्वे शुरू

» रेडिएशन तकनीक से जांच, मुस्लिम पक्ष भी मौजूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने शनिवार को वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद में अपना वैज्ञानिक सर्वेक्षण कार्य फिर से शुरू कर दिया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि 17 वीं शताब्दी की मस्जिद का निर्माण हिंदू मंदिर की पहले से मौजूद संरचना पर किया गया था या नहीं। एक दिन पहले दिन भर चले अभ्यास के दौरान एएसआई सर्वेक्षण टीम के साथ मौजूद सरकारी वकील राजेश मिश्रा ने शनिवार को कहा कि टीम ने सुबह काम शुरू किया और यह शाम 5 बजे समाप्त होगा।

अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी के अधिवक्ता भी ज्ञानवापी पहुंचे। अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने पहले सर्वे का बहिष्कार किया था। हिंदू वादी के

वकील सुधीर त्रिपाठी ने कहा कि सर्वेक्षण आज सुबह 9 बजे शुरू हुआ। यह सर्वेक्षण का दूसरा दिन है...हम चाहते हैं कि लोग सर्वेक्षण में सहयोग करें और इसे जल्द से जल्द पूरा करें। हम पूर्ण सहयोग और भागीदारी दिखा रहे हैं।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, तीन की हत्या

» सोते समय पिता-पुत्र पर हमला

» सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच गोलीबारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में शुक्रवार देर रात उग्रवादियों ने पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार सुबह बताया कि जिले के क्वाक्टा इलाके में तीनों लोगों को सोते समय गोलियां मारी गईं और फिर उन पर तलवार से हमला किया गया। पुलिस के मुताबिक, हमलावर चुराचांदपुर से आए थे, उन्होंने कहा, कि तीनों मृतक एक राहत शिविर में रह रहे थे, लेकिन स्थिति में सुधार होने के बाद वे शुक्रवार को क्वाक्टा में अपने घर लौट गए थे। पुलिस के अनुसार, घटना के तुरंत बाद गुस्साई भीड़

क्वाक्टा में जमा हो गई और चुराचांदपुर की तरफ बढ़ने लगी, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उसे रोक दिया।

पुलिस ने कहा, फौगाकचाओ और क्वाक्टा के आसपास राज्य के सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच गोलीबारी होने की भी खबरें हैं। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में तीन मई को 'आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद राज्य में भड़की जातीय हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

हड़ताल से इंफाल घाटी में जनजीवन प्रभावित

मणिपुर में 27 विधानसभा क्षेत्रों की समन्वय समिति द्वारा शनिवार को बुलाई गई 24 घंटे की आम हड़ताल से इंफाल घाटी में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ और लगभग सभी इलाकों में बाजार व व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। हड़ताल के दौरान सार्वजनिक वाहन सड़कों से नदारद रहे और केवल कुछ निजी वाहन ही चलते दिखे. हड़ताल के कारण स्कूल भी बंद रहे।

इंडिया की जीत का सिलसिला शुरू : प्रमोद तिवारी

बोले- राहुल के खिलाफ भाजपा ने की थी साजिश

» भारत जोड़ो यात्रा की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा घबराई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी घबरा गई। इसी वजह से उसने राहुल के खिलाफ साजिश रची, हालांकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से वह नेस्तनाबूत हो गयी है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने जिस तरह दोनों न्यायालयों के गलत तथ्यों पर आधारित दी गयी सजा व सजा की बहाली के आदेश पर रोक लगायी है, वह एक नजीर बनेगा।

इस निर्णय से भाजपा की पराजय की शुरुआत हो गयी है और 'इण्डिया' के जीत का सिलसिला शुरू हो गया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को मोदी सरनेम टिप्पणी पर आपराधिक मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट से फौरी राहत मिल गई है। कोर्ट ने शुक्रवार को एक अंतरिम आदेश में कांग्रेस नेता की सजा पर फिलहाल रोक लगा दी। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने मोदी उपनाम टिप्पणी पर मानहानि मामले में उनकी सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। ऐसे में बड़ी बात यह भी यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद राहुल लोकसभा सदस्यता बहाल हो सकती है।

अहंकार को लगेगा झटका : अखिलेश

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट की ओर से राहत मिलने के बाद कहा कि इससे भारतीय लोकतंत्र और न्यायपालिका में लोगों की आस्था को बढ़ावा दिया है। भाजपा की नकारात्मक राजनीति का अहंकारी ध्वज आज उनके नैतिक अवसान के शोक में झुक जाना चाहिए। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने राहुल गांधी की सजा पर रोक लगने के बाद कहा कि यह नफरत के खिलाफ मोहब्बत की जीत है।

केजरीवाल ने राहुल गांधी को दी बधाई

दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए पहली बार कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बधाई दी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर लिखा कि मैं राहुल गांधी के खिलाफ अन्यायपूर्ण मानहानि मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं। अभी भी लोगों का भारतीय लोकतंत्र और न्याय प्रणाली पर भरोसा है। मैं उन्हें और वायनाड की जनता को बधाई देता हूं।

प्रदीप वाघेला ने महासचिव पद से दिया इस्तीफा

» बोले- कुछ ही दिनों में सब ठीक हो जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। प्रदीप सिंह वाघेला ने गुजरात भाजपा के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा को झटका लगा है। प्रदीप सिंह वाघेला गुजरात भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल के बाद दूसरे ताकतवर नेता हैं। बीते दिनों राज्य में प्रदेश अध्यक्ष को बदलने की अटकलें लग रहीं थी। जिनमें नए प्रदेश अध्यक्ष की रेस में प्रदीप सिंह वाघेला प्रमुख उम्मीदवार बनकर उभरे थे। हालांकि अब उनकी विदाई से कई सवाल खड़े हो गए हैं। इस्तीफे पर प्रदीप सिंह वाघेला ने कहा है कि कुछ ही दिनों में सबकुछ ठीक हो जाएगा। वाघेला को गुजरात भाजपा के महासचिव पद पर 10 अगस्त 2016 को नियुक्ति हुई थी।

प्रदीप सिंह वाघेला के इस्तीफे के बीच सूरत पर्चा कांड की चर्चा है। बता दें कि गुजरात के सूरत में बीते दिनों प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल, सांसद प्रभु वासवा और चौर्यासी विधायक संदीप देसाई को बदनाम करने की कोशिश की गई थी। इन पर्चों में फंड को लेकर धांधली के आरोप लगाए गए थे। चौर्यासी विधायक संदीप देसाई ने इस मामले में क्राइम ब्रांच में शिकायत की थी। इस पर्चे कांड का शक पार्टी के ही नेताओं पर जताया जा रहा था। चर्चा है कि इस मामले की जांच में कई बड़े नामों का खुलासा हो सकता है।

अयोध्या में गरीबों पर अत्याचार कर रही भाजपा : अखिलेश

» बोले- अब तक नहीं मिला सही मुआवजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि अयोध्या में चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग चौड़ीकरण के अन्तर्गत आने वाले दुकान और मकान मालिकों को उचित मुआवजा दिए बिना उजाड़ा जा रहा है। भाजपा सरकार गरीबों, दलितों और पिछड़े वर्ग के लोगों के साथ अन्याय कर रही है। अखिलेश यादव को प्रदेश मुख्यालय में चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग चौड़ीकरण से प्रभावित लोगों ने ज्ञापन सौंपे। साथ ही उचित मुआवजा दिलाने के लिए उनसे अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। अखिलेश ने सपा सरकार बनने पर अयोध्या में जमीनों की अवैध रजिस्ट्री की जांच कराने का भरोसा दिया।

सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा राज में चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग के चौड़ीकरण के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्रवासियों को उजाड़ दिया तो उनके पुनर्वास का क्या होगा। वे अपने पशुधन लेकर कहां जाएंगे। राम मंदिर के निर्माण में जिनकी जमीने-मकान लिए जा रहे है उन्हें पर्याप्त मुआवजा क्यों नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर किसानों को बाजार भाव पर मुआवजा दिया गया था।

कर्नाटक के मंत्री ने दिखाया दिल्ली का सच

» संदीप दीक्षित ने इंडिया में आप की मौजूदगी पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्ई दिल्ली। दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक को लेकर कांग्रेस और आप के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि वह कर्नाटक के मंत्री दिनेश गुंडू राव ने अरविंद केजरीवाल के शासन का असली सच दिखाया है। कांग्रेस नेता की यह टिप्पणी राव द्वारा आप के मोहल्ला क्लीनिकों को अतिप्रचारित कहे जाने के बाद आई है और उन्होंने कहा था कि ऐसी ही एक जगह के दौरे से वह निराश हैं। उन्होंने कहा कि काश आप हमसे भी मिलते दिनेश गुंडू राव - अरविंद केजरीवाल की शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्त, पर्यावरण, पानी, सड़क, बस, इन्फ्रा, बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का असली सच दिखाते।

शायद आप यह बात कांग्रेस में उनके नए ढोल बजाने वालों को बता सकते थे। संदीप दीक्षित ने इंडिया में आप को शामिल होने पर कहा कि जंगल में जहां शेर और हाथी रहते हैं, वहां गीदड (गीदड़) भी मौजूद होते हैं...मैं उनकी (आप) तुलना गीदड़ से भी नहीं करूंगा क्योंकि उनमें भी कुछ गुण होते हैं। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री, जिन्होंने कल मोहल्ला क्लिनिक का दौरा किया था, ने शुरुआत में इस पहल की सराहना करने के कुछ ही घंटों बाद कहा कि इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया था। उन्होंने कहा कि दिल्ली में एक मोहल्ला क्लीनिक का दौरा किया, जहां बहुत कम लोग थे। कर्नाटक में हमारे क्लीनिकों में मरीजों के लिए तत्काल परीक्षण करने के लिए प्रयोगशाला सहित अधिक सुविधाएं हैं। मुझे लगता है कि इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है और मैं निराश होकर वापस आया।

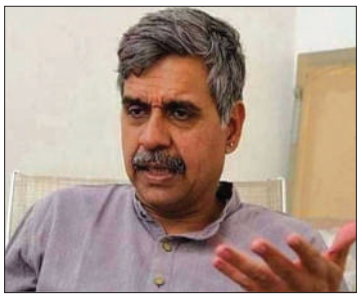

फोन आने के बाद बदले राव के रुख : आप

आप ने आरोप लगाया कि मोहल्ला क्लीनिक की तारीफ करने के बाद राव को एक फोन आया जिसके बाद उन्होंने अपना रुख बदल लिया। विशेष रूप से, कांग्रेस और आप दोनों विपक्षी गुट इंडिया के सदस्य हैं। राव ने शुक्रवार को यहां पंचशील पार्क में आम आदमी मोहल्ला विलनिक का दौरा किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उनके साथ दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज और कर्नाटक भवन के चिकित्सा अधिकारी कार्तिक भी थे। दावा किया जा रहा है कि मोहल्ला विलनिक पहल की सराहना करने के लगभग चार घंटे बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने यू-टर्न ले लिया। वहीं, दीक्षित ने आप को आड़े हाथों लेते हुए पार्टी की तुलना गीदड़ों से की।

विजयवर्गीय ने सभी संतों का किया अपमान

» सुरेंद्र बोले- कैलाश पर कार्रवाई करें मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सागर। मध्य प्रदेश के कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र चौधरी ने कैलाश विजयवर्गीय के बयान पर आपत्ति जताई है। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी के मंदिर को लेकर जो कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है वो निंदनीय है। उन्होंने कहा है कि संत शिरोमणि रविदास जी का मंदिर भारतीय जनता पार्टी के आशीर्वाद से बनाया जाएगा। यह बेहद दुखद ही नहीं, बेहद निंदनीय नहीं, संत रविदास जी के अपमान के साथ-साथ, समूचे संतों का अपमान है।

कैलाश विजयवर्गीय इसके दोषी हैं। मैं देश के प्रधानमंत्री और पार्टी अध्यक्ष से कहना चाहता हूं कि यदि वे कैलाश विजयवर्गीय के बयान से असहमत हैं तो उन पर कार्रवाई करें, नहीं तो कांग्रेस आंदोलन करेगी। मध्यप्रदेश में जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं। बयानबाजी और उस पर आपत्ति जताने का सिलसिला तेज होता जा रहा है। ताजा मामला सागर का है। कांग्रेस ने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के उस बयान पर आपत्ति जताई है, जिसमें विजयवर्गीय ने संत रविदास जी के मंदिर बनने को बीजेपी का आशीर्वाद बताया था।

विजयवर्गीय ने कहा था- भाजपा के आशीर्वाद से बन रहा मंदिर

बता दें कि राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय दो दिन पहले भाजपा के कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने के लिए सागर जिले के बीना पहुंचे थे। यहां उन्होंने मंडी प्रांगण में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था। कैलाश विजयवर्गीय ने मंच से कहा था कि संत रविदास जी का विशाल मंदिर सागर में भारतीय जनता पार्टी के आशीर्वाद से बनने वाला है। भारतीय जनता पार्टी के सहयोग से बनने वाला है। 100 करोड़ की लागत से यह मंदिर बनने वाला है। हम सब भाग्यशाली हैं नरेंद्र मोदी और शिवराज सिंह चौहान की सरकार में है। विजयवर्गीय ने कहा था कि हम से चार पीढ़ी पहले लोगों ने मंदिर टूटते हुए देखा, हमने इतिहास में पढ़ा था सोमनाथ का मंदिर टूटा, राम मंदिर टूटा, कृष्ण मंदिर टूटा, हम सौभाग्यशाली है कि हमारी चार पीढ़ी ने मंदिर टूटे हुए देखे थे और हम बनते हुए देख रहे हैं।

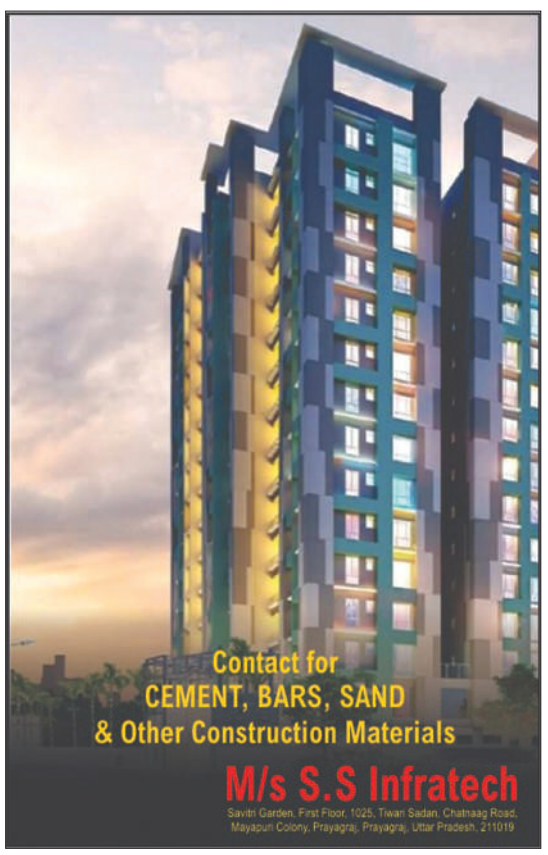

राहुल को राहत, नई सियासी आहट!

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का 24 पर पड़ेगा असर

» भाजपा के लिए आगे राह होगी कठिन

» विपक्षी गठबंधन इंडिया की ताकत और होगी मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व सांसद राहुल गांधी को मोदी सरनेम मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को मिली दो साल की सजा पर फिलहाल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राहुल गांधी की सांसदी बहाल होना तय है। वह मानसून सत्र में हिस्सा भी ले सकते हैं। इस फैसले के बाद राजनीति पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा। अभी तक विपक्षी गठबंधन इंडिया को एक बड़े चेहरे की जरूरत थी पूरे देश में मोदी और उनकी मंड़ली को टक्कर दे सके।

अब इस फैसले के बाद राहुल की सांसदी बहाली हो जाती है तो वह खुलकर सरकार की गलत नीतियों पर हमला कर सकेंगे और जनता के बीच अपनी बात रख़ सकेंगे। भारत जोड़ों यात्रा व कर्नाटक चुनाव के बाद वैसे भी राहुल गांधी केकद में इजाफा हुआ था। उसके बाद आए कई सर्वे में उनकी लोकप्रियता की बढ़ोत्तरी भी दिखाई दी थी। 2024 में राहुल के चुनाव लड़ने की वजह भाजपा को भी असहज होना पड़ सकता है। हालांकि इंडिया गठबंधन ने आगामी चुनाव के लिए कोई पीएम चेहरा घोषित नही किया है पर जैसे विपक्ष की दो बैठकें पटना व बंगलुरू में हुई है उसमें स्वत: ही कांग्रेस की अगुवाई में ही सारे दल नजर आ रहे है। हालांकि अन्य दलों के पास भी लोकप्रिय चेहरे हैं पर वे क्षेत्रीय स्तर पर ज्यादा प्रभावी है। राहुल गांधी की सजा पर रोक कांग्रेस ही नहीं, विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए भी राहत की खबर है। दरअसल, जनप्रतिनिधि कानून के तहत राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद उनकी सांसदी रद्द हो गई थी। अब सुप्रीम कोर्ट से सजा पर रोक के बाद राहुल की सांसदी बहाल हो सकती है। साथ ही वह, संसद के मानसून सत्र में हिस्सा भी ले सकते हैं। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वो जानना चाहता है कि राहुल गांधी को अधिकतम सजा क्यों दी गई। अगर जज ने राहुल को 1 साल 11 महीने की सजा दी होती तो राहुल गांधी संसद की सदस्यता से अयोग्य नहीं घोषित होते। मोदी सरनेम केस में राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने कहा कि जबतक इस मामले की सुनवाई लंबित है तबतक कांग्रेस नेता की सजा पर रोक रहेगी। माना जा रहा है कि राहुल संसद के मॉनसून सत्र में राहुल अब भाग ले सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी को बड़ी राहत दी है। शीर्ष अदालत ने कांग्रेस नेता की सजा पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि जबतक राहुल की दोषसिद्धि वाली याचिका लंबित है तबतक उनकी सजा पर रोक रहेगी। माना जा रहा है कि राहुल अब संसद के मॉनसून सत्र में भाग ले सकते हैं। राहुल के वकील ने कहा कि राहुल की सदस्यता अब बहाल हो गई है। उनके वकील ने दावा किया कि अब इसी सत्र से राहुल संसद सत्र में दिखेंगे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद माना जा रहा है कि इसकी कॉपी लोकसभा स्पीकर सचिवालय जाएगा। इसके बाद लोकसभा स्पीकर राहुल गांधी की सदस्यता पर फैसला ले सकते हैं। माना जा रहा है कि राहुल संसद के मॉनसून सत्र से ही भाग ले सकते हैं। गौरतलब है कि लोकसभा सचिवालय ने राहुल को दो साल की सजा मिलने के बाद उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया था। हालांकि, चुनाव आयोग ने वायनाड में चुनाव की घोषणा नहीं की थी। स्पीकर इस मामले में चुनाव आयोग को सूचित करेंगे इसके बाद स्पीकर इस मामले में फैसला करेंगे। अगर सबकुछ जल्दी हुई तो सोमवार को राहुल संसद के सत्र में शामिल हो सकते हैं या फिर मंगलवार को सत्र में शामिल हो सकते हैं।

अधिक सजा देने के पीछे क्या तर्क था

मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी की सजा बरकरार रहेगी या उन्हें राहत मिलेगी, इसपर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने आपराधिक मानहानि मामले में राहुल की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने बहस शुरू की। सुप्रीम कोर्ट ने सिंघवी से कहा कि उन्हें सजा पर रोक के लिए आज एक असाधारण मामला बनाना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस बीच कहा कि वे जानना चाहता है कि राहुल को अधिकतम सजा क्यों दी गई। कोर्ट ने कहा कि अगर जज ने 1 साल 11 महीने की सजा दी होती तो राहुल गांधी अयोग्य नहीं ठहराए जाते। कोर्ट की टिप्पणी पर महेश जेठमलानी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले राहुल गांधी को आगाह किया था जब उन्होंने कहा था कि राफेल मामले में शीर्ष अदालत ने प्रधानमंत्री को दोषी ठहराया है। उन्होंने कहा कि उनके आचरण में कोई बदलाव नहीं आया है।

अविश्वास प्रस्ताव में लेंगे भाग

गौरतलब है कि कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव पर 8-10 अगस्त को चर्चा होनी है। अब राहुल गांधी की सदस्यता पर लोकसभा अध्यक्ष को फैसला लेना है। जैसे ही उनको इजाजत मिलेगी राहुल सदन में जाएंगे। माना जा रहा है कि सोमवार या मंगलवार को राहुल लोकसभा में मौजूद रहेंगे। मंगलवार को सदन में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस होगी। अगर राहुल की सदस्यता पर फैसला स्पीकर सोमवार तक ले लेते हैं तो वो अविश्वास प्रस्ताव के बहस में शामिल हो सकते हैं।

कोर्ट के अंदर की दलीलें

मोदी सरनेम टिप्पणी मामले में राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कई दलीलें दी। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी का मूल उपनाम मोदी नहीं है और उन्होंने बाद में यह उपनाम अपनाया। सिंघवी- मानहानि केस की अधिकतम सजा दे दी गई। इसका नतीजा यह होगा कि 8 साल तक जनप्रतिनिधि नहीं बन सकेंगे। पूर्णेश मोदी के वकील महेश जेठमलानी ने राहुल का बयान पढ़ा- सारे चोरों के नाम मोदी क्यों होते हैं? और ढूंढोगे तो और मोदी चोर निकल आएंगे। जेठमलानी ने कहा कि क्या यह एक पूरे वर्ग का अपमान नहीं है? पीएम मोदी से राजनीतिक लड़ाई के चलते मोदी नाम वाले सभी लोगों को बदनाम कर रहे हैं। अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी का मूल उपनाम मोदी नहीं है और उन्होंने बाद में यह उपनाम अपनाया। राहुल ने अपने भाषण के दौरान जिन लोगों का नाम लिया था, उनमें से एक ने भी मुकदमा नहीं किया। यह 13 करोड़ लोगों का एक छोटा सा समुदाय है और इसमें कोई एकरूपता या समानता नहीं है। सिंघवी ने कहा कि इस समुदाय में केवल वही लोग पीड़ित हैं जो भाजपा के पदाधिकारी हैं और मुकदमा कर रहे हैं। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि जज इसे नैतिक अधमता से जुड़ा गंभीर अपराध मानते हैं। यह गैर-संज्ञेय और जमानती अपराध है। मामले में कोई अपहरण, बलात्कार या हत्या नहीं की गई है। यह नैतिक अधमता से जुड़ा अपराध कैसे बन सकता है? उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र में हम असहमति रखते हैं। राहुल गांधी कोई कट्टर अपराधी नहीं हैं। राहुल गांधी पहले ही संसद के दो सत्रों से दूर रह चुके हैं। मोदी सरनेम टिप्पणी मामले में शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने तर्क दिया कि पूरा भाषण 50 मिनट से अधिक समय का था और भारत के चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में भाषण के ढेर सारे सबूत और क्लिपिंग संलग्न हैं। जेठमलानी का कहना है कि राहुल गांधी ने द्वेषवश एक पूरे वर्ग को बदनाम किया है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले राहुल गांधी को आगाह किया था, जब उन्होंने कहा था कि राफेल मामले में शीर्ष अदालत ने प्रधानमंत्री को दोषी ठहराया है। उन्होंने कहा कि उनके आचरण में कोई बदलाव नहीं आया है।

ये है मामला

2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक के कोलार की एक रैली में राहुल गांधी ने कहा था, %कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी है?% इसी को लेकर भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। राहुल के खिलाफ आईपीसी की धारा 499 और 500 (मानहानि) के तहत मामला दर्ज किया गया था। 23 मार्च को निचली अदालत ने राहुल को दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा सुनाई थी। इसके अगले ही दिन राहुल की लोकसभा सदस्यता चली गई थी। राहुल की अपना सरकारी घर भी खाली करना पड़ा था। निचली अदालत के इस फैसले के खिलाफ दो अप्रैल को राहुल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जस्टिस प्रच्छक ने मई में राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद सात जुलाई को कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाया और राहुल की याचिका खारिज कर दी थी।

कांग्रेस में जश्न का माहौल

कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी की सजा पर रोक का स्वागत करते हुए बीजेपी पर हमला बोला। राहुल गांधी के जीजा रॉबर्ट वाड्रा ने इसका स्वागत करते हुए कहा कि राहुल को परेशान करने की कोशिश की गई थी। लेकिन हम इस फैसले का स्वागत करते हैं।

अयोग्य ठहराए जाने से अपूरणीय क्षति हुई : राहुल

राहुल ने अपने हलफनामे में कहा कि याचिकाकर्ता को बिना किसी गलती के माफी मांगने के लिए मजबूर करने के लिए आपराधिक प्रक्रिया का उपयोग करना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इस न्यायालय द्वारा इसे स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। मामला असाधारण है, क्योंकि अपराध मामूली है और एक सांसद के तौर पर अयोग्य ठहराए जाने से उन्हें अपूरणीय क्षति हुई है।

राजनीति में शुचिता समय की मांग : हाईकोर्ट

गुजरात हाइकोर्ट ने राहुल की याचिका खारिज करते हुए कहा था कि राजनीति में शुचिता' अब समय की मांग है। जनप्रतिनिधियों को साफ छवि का होना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा था कि दोषसिद्धि पर रोक लगाना नियम नहीं, बल्कि अपवाद है।

पिछली सुनवाई पर जारी किए थे नोटिस

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका पर गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने कहा था कि इस स्तर पर सीमित प्रश्न यह है कि क्या दोषसिद्धि निलंबित किए जाने योग्य है? पूर्णेश मोदी और राहुल गांधी ने कोर्ट के समक्ष अपने-अपने जवाब दाखिल कर दिए थे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कलंकित होने से बचाएं सभ्य समाज को

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर वहां की राज्य सरकार क्यों नहीं रोक पा रही है ऐसे हिंसा को। हरियाणा के नूंह-मेवात में अभी तक हिंसा की आग शांत नहीं हुई है। पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। अब तनाव की लहर गुड़गांव, फरीदाबाद और पलवल तक फैल गई। इस हिंसा से हरियाणा सरकार पर कई सवालिया निशान खड़े होते हैं।

धार्मिक उन्माद किसी भी सभ्य समाज के लिए अच्छा नहीं है। भारत में ऐसी घटनाएं होना जैसे अब आम बात हो गई है। ऐसी घटनाएं देश की छवि को विश्व स्तर पर धूमिल करती हैं। इन घटनाओं को रोकने का काम जितना सरकारों के कंधे पर है उससे कहीं ज्यादा जिम्मेदारी आमजन पर है। अभी वर्तमान में हरियाणा में हिंसा चल रही है जो थमने का नाम नहीं ले रही है। हालांकि सभी राजनैतिक दलों से लेकर बुद्धिजिवियों तक ने शांति की अपील की है, ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि वहां पर शांति बहाली जल्द हो जाएगी। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर वहां की राज्य सरकार क्यों नहीं रोक पा रही है ऐसे हिंसा को। हरियाणा के नूंह-मेवात में अभी तक हिंसा की आग शांत नहीं हुई है। पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। अब तनाव की लहर गुड़गांव, फरीदाबाद और पलवल तक फैल गई। इस हिंसा से हरियाणा सरकार पर कई सवालिया निशान खड़े होते हैं। दिल्ली-NCR से सटे हरियाणा का नूंह इलाका सोमवार को अचानक जिस तरह से हिंसा, तोड़फोड़ और आगजनी की चपेट में आ गया, वह कई लिहाज से चौंकाने वाला है। हिंसा का अचानक फूट पड़ना ही नहीं, उसकी व्यापकता भी चिंताजनक थी।

नूंह-मेवात से शुरू हुई हिंसा, अराजकता और तनाव की लहर गुड़गांव, फरीदाबाद और पलवल तक फैल गई। सरकार का कहना है कि इन घटनाओं के पीछे वे लोग हैं, जो पहले से ही राज्य में अशांति फैलाना चाहते थे। लेकिन ऐसे तत्व हर राज्य में होते हैं। सवाल यह है कि वे सब अशांति फैलाने की साजिश कर रहे थे, उसे अंजाम देने की तैयारियां कर रहे थे और पुलिस-प्रशासन को उसकी भनक तक नहीं लगी, ऐसा क्यों? इसके साथ ऐसी खबरें भी आई हैं कि कुछ जगहों पर हिंसा की घटनाएं पुलिस की मौजूदगी में हुईं। पुलिस ने भी माना है कि उपद्रवी बड़ी संख्या में थे, इसलिए वह उन्हें रोकने में नाकाम रही। मगर यह मामला अचानक पैदा हुए कानून-व्यवस्था के एक तात्कालिक संकट तक सीमित नहीं है। निश्चित रूप से, फिलहाल सरकार और पुलिस का पहला काम हालात को काबू करना और इस पूरे क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम करना ही होना चाहिए। उसके बाद इस हिंसा में शामिल और इसके लिए उकसाने या मदद मुहैया कराने वाले सभी तत्वों की पहचान कर उन्हें कानून सम्मत सजा दिलाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। लेकिन इन सबके साथ ही राज्य सरकार को अपनी कुछ नीतियों पर भी पुनर्विचार करने की जरूरत है। नूंह-मेवात के इस पूरे क्षेत्र में तनाव की स्थिति कोई सोमवार को ही पैदा नहीं हुई थी। यहां लंबे समय से तनाव बना हुआ था, जिसे सरकारी तंत्र ने नजरअंदाज कर रखा था।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जंग जीतने के लिए जाल में आकर्षक दावे

हेमंत पाल

हमारे यहां की लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव को उत्सव की तरह मनाया जाता है। इस उत्सव में राजा बनने के लिए प्रजा को अपने पक्ष में करना पड़ता है। इसके लिए कई तरह के प्रपंच रचे जाते हैं। क्योंकि, फैसला भी इसी बात पर होना है कि किसके पाले में ज्यादा लोग हैं! जिसके पक्ष में ज्यादा हाथ खड़े होंगे, उसे पांच साल राज करने का मौका मिलेगा! इसमें कुछ गलत भी नहीं, इसलिए कि ज्यादा अच्छा प्रलोभन ही जनता को आकर्षित करता है! लेकिन, क्या जरूरी है कि प्रलोभन के रूप में किए गए सभी वादे पूरे हों! ये न तो संभव है और न वादों पर भरोसा ही किया जाता है। अमूमन चुनाव से पहले दो तरह के वादे किए जाते हैं। चुनाव से पहले तो मंच से वादे करके वाहवाही लूटी जाती है। लेकिन, चुनाव की घोषणा के बाद राजनीतिक पार्टियां घोषणा-पत्र में कसम खाकर वादे करती हैं, कि उन्हें मौका दिया गया तो वे कागज पर लिखे वादे पूरे करेंगे! जबकि, जनता भी इस सच को जानती है कि किए गए और लिखे गए सभी वादे कभी पूरे नहीं होते! दोनों तरह के वादे भ्रमजाल हैं जिन्हें बरसों से जनता पर फेंक कर उन्हें भरमाया जाता रहा है।

देश के तीन हिंदीभाषी राज्यों में राजनीतिक पार्टियों की चुनावी तैयारियां पूरे जोर पर हैं। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में उत्साह से लबरेज पार्टियां रोज जनता से कोई न कोई वादा करने से नहीं चूक रहीं। साढ़े चार साल तक मतदाताओं पर रौब गांठने वाली पार्टियां याचक बनकर खड़ी हो गईं। चुनाव की आखिरी छमाही पार्टियों के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है, कि उनकी उनकी पांच साल कि पढ़ाई की अब परीक्षा जो होने वाली है। वे यह भी जानते हैं कि चुनाव से पहले मतदाताओं को जितना भरमा लिया, वही उनके लिए चुनाव में फायदेमंद होगा। जो पार्टियां सत्ता में हैं, उसके नेता घोषणाएं करते नहीं अघा रहे! जो विपक्ष में हैं, वे सत्ता पाने की कोशिश में भविष्य में पूरे किए जाने वाले वादों से काम चला रहे हैं। लेकिन, जनता का रुख तटस्थ है।

ऐसे समय में यह पता नहीं चलता कि जनता के मन में क्या है और वे किस पार्टी की बातों से ज्यादा आकर्षित हो रही है। वास्तव में लोकतंत्र का खरा सच भी तो यही है, जिसमें राजा को हर पांच साल में जनता के सामने वादों की गठरी के साथ हाथ जोड़कर खड़े होना पड़ता है। लोकतंत्र में वादे करना नई बात नहीं है। सत्ता

की कुर्सी तक पहुंचने के लिए यही वादे तो सीढ़ियां बनते हैं। लेकिन, ये वादे क्या कभी पूरे होंगे, इस तरफ कोई ध्यान नहीं देता। आजकल इसी तरह की राजनीतिक कसमों और वादों का दौर है। कम से कम तीन हिंदीभाषी राज्यों में तो सत्ता और विपक्ष दोनों तरफ से जनता पर वादों के गोले दागने का काम जोर-शोर से चल रहा है। इस बार चुनावी वादों के केंद्र में महिला, किसान और गैस सिलेंडर ज्यादा दिखाई दे रहे हैं। खास बात यह कि मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ तीनों राज्यों में जंग सीधे मुकाबले की होनी है। यहां कोई तीसरी पार्टी चुनाव को प्रभावित करने की स्थिति में नहीं है, इसलिए वादों की जंग दो ही पार्टियों के बीच लड़ी जा रही है। इस बात से इंकार भी नहीं कि बढ़ती महंगाई सबकी आंखों में है, इसलिए वादे भी ऐसे किए जा रहे हैं जो मध्यम वर्ग को राहत देने वाले हों। सभी पार्टियों के निशाने पर महिलाएं ही ज्यादा हैं। उन्हीं को केंद्र में रखकर योजनाओं का सारा खाका तैयार किया जा रहा है। चुनाव वाले सभी राज्यों में कमजोर वर्ग की महिलाओं को आर्थिक मदद देने की होड़ सी लग गई है। इसलिए कि राजनीतिक चिंतकों ने अब ये अच्छी तरह समझ लिया है कि घर की महिलाओं को टारगेट करके यदि वादों की थाली परोसी जाए, तो उससे पूरा परिवार प्रभावित होगा। ऐसे में इसका लाभ भी वोट के रूप में सामने आएगा! ये सोच कितनी सही है, ये तो चुनाव के बाद ही सामने आएगा, पर मतदाताओं को भरमाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही। जिस भी राज्य में चुनाव का माहौल बनता है, राजनीतिक पार्टियां अपने वादों का भ्रमजाल फैलाना शुरू कर देती हैं। जिसके जाल में आकर्षक दाने होंगे, वो जंग जीत ले जाएगा!

हमारे देश में चुनावी वादों पर न तो कोई बंदिश है, न कोई सीमा रेखा और न कोई कानूनी बाध्यता कि जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा। फिर वे चुनाव से पहले किए गए वादे हों या चुनावी घोषणा-पत्र में लिखी गई बातें। चुनाव के नतीजे आते ही राजनीतिक पार्टियों की प्राथमिकता बदलते देर नहीं लगती। याचक की मुद्रा में खड़े नेता भी आंखें फेरकर खड़े हो जाते हैं।

हर नागरिक को व्यवस्था से असहमति का हक

विश्वनाथ सचदेव

सन् 2015 की बात है। देश के कुछ साहित्यकारों-कलाकारों ने देश में बढ़ती असहिष्णुता से दुखी होकर साहित्य अकादमी द्वारा दिये गए सम्मानों को लौटाने की घोषणा कर दी थी। ये रचनाकार एम.एम. कलबुर्गी, गोविंद पानसरे, दाभोलकर जैसे लेखकों की हत्या से आहत थे और इस बात से दुखी थे कि साहित्य अकादमी जैसी संस्था देश और समाज में फैली असहिष्णुता को लेकर चिंतित और परेशान क्यों नहीं है। कुल मिलाकर 39 लेखकों ने सम्मान लौटा कर अपना क्षोभ व्यक्त किया था। उनके इस कदम को सरकार के विरुद्ध 'गढ़ा हुआ विरोध' अथवा 'मैन्युफैक्चर्ड प्रोटेस्ट' कह कर सरकार के पक्षधरों ने स्वतंत्र भारत में अपने ढंग के इस अनोखे विरोध को बदनाम करने की कोशिश की थी, पर रचनाकारों के इस कदम की गूंज दूर-दूर तक पहुंची थी। सरकार के समर्थकों ने अवॉर्ड लौटाने वाले रचनाकारों को 'अवार्ड वापसी गैंग' का नाम दिया। आज भी इस बात को गाहे-बगाहे दोहरा लिया जाता है।

भले ही अवार्ड वापसी को 'राष्ट्र-विरोधी कृत्य' कह कर इसे बदनाम करने अथवा महत्वहीन बताने की कोशिश हुई हों, पर आठ साल बाद सरकारी पुरस्कारों-सम्मानों के संदर्भ में नये नियम बनाने की सरकार की तैयारी इस बात का प्रणाम है कि इस घटना ने समूची व्यवस्था को कहीं भीतर ही हिला दिया था। संसद की परिवहन, पर्यटन और सांस्कृतिक समिति ने सरकार के सामने सुझाव रखा है कि सम्मान लौटाने के ऐसे कृत्य को देश-विरोधी कार्रवाई माना जाना चाहिए। इस सिफारिश में यह भी कहा गया है कि सरकारी पुरस्कार पाने वाले रचनाकारों से इस आशय का शपथ-पत्र लिया जाये कि वे इसे लौटाने जैसी कार्रवाई कभी नहीं करेंगे। यह संयोग की बात है कि इस समय देश मणिपुर जैसे हालात से गुजर रहा है और संसद में, और सड़क पर भी, यह मुद्दा गरमाया हुआ है, इसलिए सरकारी सम्मानों के अपमान के नाम पर अवार्ड वापसी जैसे कृत्य से संबंधित इस सुझाव पर अपेक्षित चर्चा नहीं हो पा रही। लेकिन, सरकारी सम्मानों को 'राष्ट्रभक्ति' और 'राष्ट्र-विरोधी' से जोड़कर देखने की यह मानसिकता जनतांत्रिक मूल्यों और विरोध करने के जनता के अधिकार का नकार ही है। इस गैर-जनतांत्रिक कार्रवाई का विरोध होना ही चाहिए।

गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर द्वारा जलियांवाला बाग कांड के संदर्भ में उठाया गया कदम एक ज्वलंत उदाहरण की तरह हमारे सामने है। वर्ष 1919 में जलियांवाला बाग में ब्रिटिश जनरल डायर द्वारा किये गए वहशियाना नर-संहार के विरोध में तब नोबेल पुरस्कार से सम्मानित कवींद्र रवींद्र ने ब्रिटिश सरकार द्वारा दी गयी 'सर' की उपाधि को लौटाकर देश के गुस्से और पीड़ा को स्वर दिया था। गुरुदेव ने उपाधि लौटाते हुए कहा था, 'आज वह समय आ गया है जब सम्मान के पदक हमारी शर्म उजागर कर रहे हैं' तब गुरुदेव ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि जलियांवाला बाग में ब्रिटिश सरकार की कार्रवाई मनुष्यता को शर्मसार करने वाली घटना है और वे ऐसी घटना के लिए जिम्मेदार सरकार द्वारा दिये गये सम्मान को लौटाना जरूरी समझते हैं। अगर सरकार के प्रति निष्ठा अंतरात्मा की आवाज से अधिक महत्वपूर्ण मानी जाती है तो जनतंत्र और विचारों की स्वतंत्रता का बने रहना संभव नहीं है।'

भारत के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता की यह स्पष्टोक्ति बहुत कुछ कह रही है और बहुत कुछ याद भी दिला रही है। विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक ऐसा जनतांत्रिक मूल्य है जिसकी उपेक्षा कुल मिलाकर जनतंत्र का ही नकार माना जाना चाहिए। साहित्यकारों-कलाकारों को सम्मानित करके सरकारें अपना कर्तव्य ही निभाती हैं। यह दायित्व है सरकार अथवा साहित्य अकादमी जैसी संस्था का कि वह देश की प्रतिभाओं को सम्मानित करे। सम्मान के पदक अथवा सम्मान-राशि के साथ शर्तें जोड़कर इस सम्मान को ही कमतर किया जा रहा है। इस बात की लिखित गारंटी मांगना कि सम्मानित होने वाला जीवनभर उस सम्मान को नहीं लौटायेगा, वस्तुत: सम्मान पाने वाले का अपमान है। सम्मान को स्वीकारना या नकारना व्यक्ति का अधिकार है। सम्मान लौटाने का मतलब देशद्रोह समझ लेना भी उतना ही गलत है, जितना गलत यह मानना है कि किसी को सम्मानित करके कोई सरकार उस पर अनुग्रह कर रही है। आज हमारे समाज में असहिष्णुता लगातार बढ़ती जा रही है। देश के शासकों और समाज के नेताओं, दोनों, के लिए यह स्थिति चिंता का विषय होनी चाहिए।

'अवार्ड वापसी' ऐसी ही असहिष्णुता के खिलाफ देश की भावनाओं की अभिव्यक्ति थी। ऐसा करने वालों को 'गैंग' का नाम देना अपने आप में एक अपराध ही है। यह सही है कि तब सिर्फ 39 लोगों ने अवार्ड वापसी की घोषणा की थी, पर सही यह भी है कि ये 39 जनतांत्रिक मूल्यों और अधिकारों के लिए लड़े थे। यह बात हमारे शासकों को समझनी होगी कि जनतांत्रिक व्यवस्था में सरकार का विरोध करना देश का विरोध नहीं होता। देश में फैलती असहिष्णुता को रोक पाने में सरकार की असफलता के विरोध में उठाया गया कोई भी कदम देश के खिलाफ नहीं, देश के हित में ही होता है। स्वस्थ जनतांत्रिक समाज और व्यवस्था में असहमति का अधिकार नागरिक का एक हथियार होता है, उस सब के खिलाफ जो गलत हो रहा है। पुरस्कार वापसी या सम्मान वापसी ऐसी ही असहमति का एक उदाहरण है। इस उदाहरण का सम्मान होना चाहिए। एक सौ चार साल पहले रवींद्रनाथ ठाकुर ने 'सर' की उपाधि लौटाते हुए तत्कालीन वायसराय को लिखे पत्र में सरकार की रीति-नीति से असहमति व्यक्त की थी।

कैल्शियम

हड्डियों-दांतों के अलावा भी शरीर के लिए बहुत जरूरी

बचपन से ही आपको भी बार-बार दूध पीने के लिए कहा जाता रहा होगा, पर क्या आपने कभी सोचा कि आखिर दूध पीने को लेकर इतनी जबरदस्ती क्यों होती थी? असल में इसका मुख्य कारण है- कैल्शियम। दूध और अन्य डेयरी उत्पादों में कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाई जाती है और ये हड्डियों-दांतों को मजबूत बनाने के लिए सबसे आवश्यक है। यही कारण है कि जिन बच्चों को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता है उनमें हड्डियों की कमजोर की समस्या पूरी जिंदगी बनी रहती है। यहां जानना जरूरी है कि कैल्शियम सिर्फ हड्डियों-दांतों के लिए ही नहीं, शरीर में कई अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी आवश्यक है। हमें रोजाना आहार के माध्यम से इसकी आवश्यकता होती है। दूध के अलावा भी कई ऐसे पोषक तत्व हैं जिससे कैल्शियम प्राप्त किया जा सकता है।

हमारा शरीर नहीं बनाता है कैल्शियम

शरीर के लिए तो कैल्शियम जरूरी है पर हमारा शरीर इसका उत्पादन नहीं करता, इसलिए आपको आवश्यक कैल्शियम प्राप्त करने के लिए आहार पर निर्भर रहना होता है। जिन खाद्य पदार्थों में कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है उनमें डेयरी उत्पाद जैसे दूध, पनीर और दही, गहरे हरे रंग की सब्जियां (पालक और ब्रोकली), साबुत अनाज, सोया उत्पाद और संतरे का रस शामिल है।

विटामिन-डी के बिना कैल्शियम का सेवन बेकार

कैल्शियम को अवशोषित करने के लिए आपके शरीर को विटामिन-डी की आवश्यकता होती है। इसका मतलब है कि यदि आपके शरीर में विटामिन-डी की कमी है तो भले ही आप कैल्शियम युक्त आहार का सेवन करते हैं पर इससे लाभ नहीं मिल पाता। इसलिए जरूरी है कि कैल्शियम वाली चीजों के सेवन के साथ आहार में विटामिन-डी की भी मात्रा को जरूर बढ़ाएं। धूप, आपके लिए विटामिन-डी का सबसे अच्छा स्रोत है।

रक्त संचार बढ़ाने में सहायक

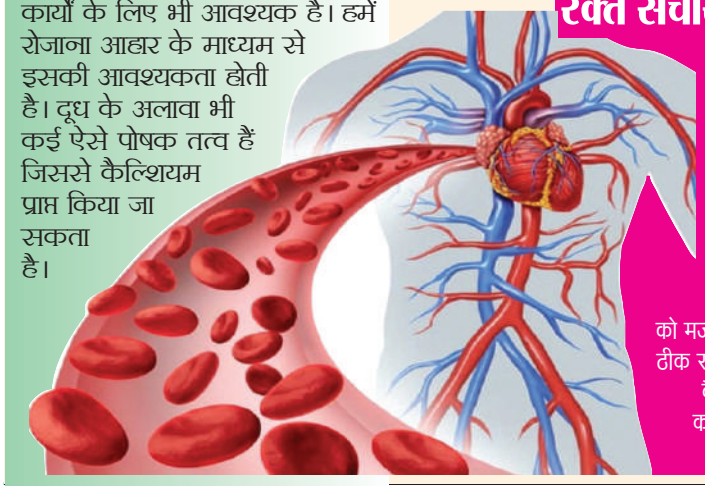

कैल्शियम हमारे शरीर के कई बुनियादी कार्यों में भूमिका निभाता है। हड्डियों-दांतों के लिए तो यह आवश्यक है ही, साथ ही शरीर में रक्त के संचार को बढ़ाने, मांसपेशियों के कार्यों को ठीक रखने और मस्तिष्क से आपके शरीर के अन्य भागों तक संदेश पहुंचाने में भी यह मदद करता है। यह आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने और इसकी डेंसिटी को भी ठीक रखने के लिए जरूरी है। जिन लोगों में कैल्शियम की कमी होती है उनके दांत कमजोर होते हैं और आर्थराइटिस जैसी बीमारियों का जोखिम हो सकता है।

बहुत अधिक कैल्शियम भी हानिकारक

अब तक आपने जाना कि शरीर के लिए कैल्शियम बहुत जरूरी है पर इसका बहुत अधिक मात्रा में भी सेवन नहीं किया जाना चाहिए। कैल्शियम की अधिकता के भी कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं। ऐसे लोगों में कब्ज, गैस और सूजन जैसे लक्षण हो सकते हैं। अतिरिक्त कैल्शियम से आपको किडनी में पथरी का खतरा भी बढ़ सकता है। दुर्लभ मामलों में, बहुत अधिक कैल्शियम आपके रक्त में जमा होने लग जाता है, इसे हाइपरकैल्सीमिया कहा जाता है।

हंसना मना है

संजना तीसरी बार ड्राइविंग लाइसेंस का इंटरव्यू देने पहुंची, आफीसर- अगर एक तरफ आपके पति हो और दूसरी तरफ आपका भाई हो तो आप किसको मारोगी? संजना- पति को, आफीसर- अरे मैडम आपको तीसरी बार बता रहा हूं की आप ब्रेक मारोगी?

कंप्यूटर इंजीनियरिंग की लड़की को किसी लड़के ने छेड़ा, उसका गुस्सा ऐसे निकला-अरे ओ पेन ड्राइव के ढक्कन, पैदाइशी Error, Virus के बच्चे, E&cel की Corrupt File, ऐसा Click मारूंगी कि ज़मीन से Delete हो कर कब्र में Install हो जायेगा! समझे?

जब एक लड़की लड़के से क्लास में पेन मांगती है तो..लडका- कौन सा दूं? ब्लु, ब्लैक, रेड, ग्रीन? और जब एक दोस्त मांगे तब, लड़का- हट साले लड़की देखने आता है school में बिना पेन के?

एक आदमी खड़े-खड़े चाबी से अपना कान खुजा रहा था? दूसरा व्यक्ति उसे गौर से देखता हुए बोला- भाई साहब, आप स्टार्ट नहीं हो रहे, तो मैं धक्का लगाऊ?

कहानी | सफलता के लिए लगातार सीखें

एक बार की बात है एक राजा एक राज्य में राज्य करता था। उसके राज्य में सारी प्रजा खुश थी और वह अपने राज्य का काफी देखभाल कर रहा था। एक दिन राजा के मन में एक विचार आया। राजा ने एक बढ़ई को राज काज सौंपने का फैसला किया। और फिर उसने बढ़ई को काम काज सौंप दिया। राजा बढ़ई के कार्य से काफी खुश था, क्योंकि उसने पहले ही महीने लगभग 18 पेड़ों को काटा था। लेकिन बढ़ई के राजा बनने के बाद अगले महीने उस बढ़ई ने काफी कोशिश की, लेकिन वो केवल 15 पेड़ों को ही काट पाया। फिर तीसरे महीने अपनी पूरी सामर्थ्य लगा कर भी, वह केवल 12 पेड़ों को ही काट पाया। धीरे-धीरे उसकी पेड़ काटने की क्षमता कम होने लगी। एक दिन राजा उसके पास पहुंचा और उसके उत्पादकता में कमी का कारण पूछा- बढ़ई ने जवाब दिया- महाराज मेरी उम्र भी बढ़ रही है, और शरीर की शक्ति भी कम हो रही है, इसी कारण से मेरी उत्पादकता में कमी हो रही है। यह जानकर राजा ने पूछा कितने समय पहले तुमने अपनी कुल्हारी को धार लगाई थी। आश्चर्यचकित हो कर बढ़ई ने जवाब दिया केवल एक ही बार महाराज। तब राजा ने समझाया यही कारण है, कि तुम्हारी पेड़ काटने की उत्पादकता में दिन प्रतिदिन कमी आ रही है। सबसे पहले अपनी कुल्हाडी में धार लगाओ, फिर तुम्हारी उत्पादकता में अपने आप बढ़ोत्तरी हो जाएगी।

कहानी से शिक्षा- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि काम को आसानी से करने के लिए चीजों की लगातार सीखना चाहिए, जिससे हम काम को आसानी से कर सके और हमारे काम में तेजी ला सके।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। भाइयों की मदद मिलेगी।

वृषभ

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी।

मिथुन

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। संतान के कार्यों पर नजर रखें। प्रचार-प्रसार से दूर रहें।

कर्क

क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दु:खद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें।

सिंह

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है।

कन्या

कन्यामेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें।

तुला

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं।

वृश्चिक

वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें।

धनु

नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी।

मकर

नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। खानपान पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ

कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मीन

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं किसी पार्टी में न चला जाऊं इसलिए मेरे नाम से किया गया ट्वीटः गोविंदा

हरियाणा के नूंह में चल रही हिंसा की वजह से पूरे देशभर में माहौल काफी गर्म हो गया है। कई जगहों पर दंगे देखने को मिल रहे हैं। ऐसे में आम जनता से लेकर कई मशहूर फिल्मी हस्तियों ने भी इस मामले पर अपनी राय रखते हुए ट्वीट किए हैं। इसी बीच एक्टर गोविंदा का एक ऐसा ट्वीट सामने आया जिस पर खूब बवाल मच गया है। लेकिन इसी बीच गोविंद ने भी आकर अपने ट्वीट को लेकर सफाई दे दी है। दरअसल, गोविंदा के इस ट्वीट में मुस्लिम लोगों की दुकान जलाने वाले हिन्दुओं को जोरदार फटकार लगाई है। अब इसी के वजह से वह ट्रोलर के निशाने पर आ गए हैं। वैसे, गोविंदा सोशल मीडिया पर कम ही एक्टिव रहते हैं, लेकिन अब इस ट्वीट पर विवाद बढ़ने के बाद उन्होंने एक वीडियो पोस्ट कर सफाई भी दी है। गोविंदा के ट्वीट में लिखा गया, हम किस स्तर पर आ गिरे हैं? जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं और ऐसी हरकतें करते हैं, उन्हें शर्म आनी चाहिए। अमन और शांति बनाएं, हम डेमोक्रेसी हैं, ऑटोक्रेसी नहीं। इस ट्वीट के बाद यूजर्स ने उन्हें जमकर फटकार लगानी शुरू कर दी है। हालांकि, इसके तुरंत बाद ही गोविंदा ने अपना ट्विटर अकाउंट ही डिलीट कर दिया है। अब उन्होंने एक वीडियो भी पोस्ट किया है। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो में गोविंदा कह रहे हैं। हेलो दोस्तों, हरियाणा की हिंसा पर किया गया ट्वीट मैंने नहीं किया है। किसी ने मेरा अकाउंट हैक कर लिया है। इस अकाउंट को मैं कई सालों से इस्तेमाल ही नहीं करता हूं। मेरी टीम भी मना कर रही है। वो मुझसे पूछे बिना कर भी नहीं सकते। मैं साइबर क्राइम में ये मामला लेकर जाऊंगा। हो सकता है अभी ये इलेक्शन का दौर चलने वाला है, तो किसी ने ये सोच लिया होगा कि मैं किसी पार्टी से आगे न आ जाऊं तो इसलिए ऐसा किया गया है। मैं कभी ऐसा नहीं करता। किसी के लिए मैं ऐसा नहीं कहता।

डबल स्मार्ट में अधीरा ने बढ़ाई अपनी फीस

साउथ की दुनिया में बॉलीवुड के सितारों का जलवा है। बॉलीवुड एक्टर्स साउथ में अलग तरह के किरदार निभा रहे हैं और इसका उन्हें फायदा भी हो रहा है। इस कड़ी में संजय दत्त का उदाहरण देखा जा सकता है। संजय साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं और उन्हें वहां अच्छा रेस्पॉन्स भी मिल रहा है। यही कारण है कि नेगेटिव किरदारों में उनकी पहचान बन रही है और उन्हें नई फिल्में मिल रही हैं। संजय के हाथ हाल ही फिल्म 'डबल स्मार्ट' लगी है। खबर है कि इस फिल्म के लिए संजय ने अपनी फीस में भी इजाफा कर दिया है।

संजय दत्त ने बॉलीवुड की दुनिया में खूब नाम कमाया है। 29 जुलाई 1959 को जन्में संजय दत्त ने बॉलीवुड में अपनी फिल्मों से खूब धूम मचाई है। अब 64 साल के संजय साउथ की दुनिया में एंट्री कर चुके हैं और यहां भी उन्हें लोग पसंद कर रहे हैं। प्रशांत नील की फिल्म 'केजीएफ 2' में वे 'अधीरा' बनकर आए थे और इस किरदार ने उन्हें खूब फेम दिलाई थी। संजय दत्त जल्द ही थालापति विजय की फिल्म 'लियो' से कॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। वे फिल्म में 'एंटनी दास' का किरदार निभा रहे हैं। लोकेश कनगराज की यह फिल्म 19 अक्टूबर को रिलीज होगी। फिल्म से हाल ही में उनका लुक जारी किया गया था, जिसे काफी प्रशंसा मिली थी। इसके साथ ही संजय के हाथ में Double iSmart मूवी भी है। राम पोथिनेनी स्टारर इस फिल्म के जरिए वे तेलुगु में डेब्यू करेंगे। फिल्म का निर्देशन Puri Jagannadh कर रहे हैं और इसमें संजय 'बिग बुल' के किरदार में दिखेंगे।

फीस में भी इजाफा

संजय दत्त का रुतबा साउथ सिनेमा में बढ़ता जा रहा है। जाहिर है संजय के लिए अपनी फीस बढ़ाने का भी यह सही टाइम है। संजय ने 'केजीएफ' और 'लियो' के लिए 10 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं। वहीं, अब ट्रेक टॉलीवुड की रिपोर्ट की मानें तो संजय फिल्म Double iSmart के लिए 15 करोड़ रुपये फीस के तौर पर ले रहे हैं। यानी उन्होंने सीधे 5 करोड़ रुपये बढ़ा दिए हैं।

जिंदगी जीने का एक नया नजरिया देगी घूमर

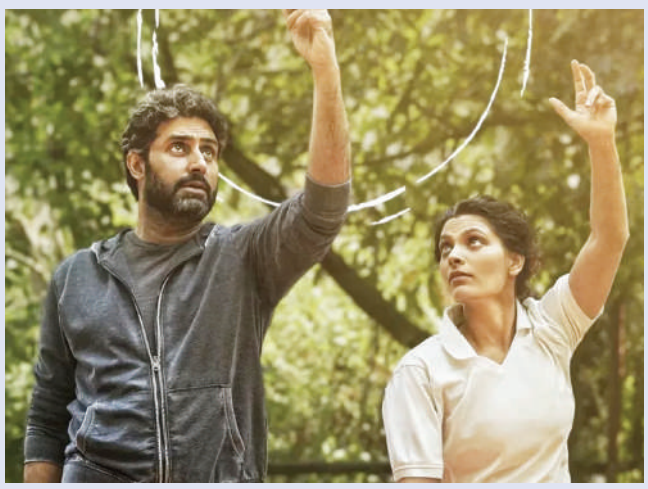

अभिषेक बच्चन एक बार फिर दमदार और अलग अंदाज में एक बार फिर से दर्शकों के बीच पेश होने के लिए तैयार हैं। दरअसल, कुछ वक्त से अभिषेक अपनी अगली फिल्म घूमर को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह सैयामी खेर के साथ नजर आने वाले हैं। अब उनकी इस फिल्म का मोस्ट अवेटेड ट्रेलर भी रिलीज कर दिया गया है, जहां अभिषेक एक कोच के किरदार में नजर आ रहे हैं।

ट्रेरल में सैयामी खेर अनिका नाम की ऐसी महिला क्रिकेटर के रोल में नजर आ रही हैं, जो बचपन से ही क्रिकेट के लिए दीवानी है। वहीं, अनिका को महिला क्रिकेट टीम में नेशनल खेलने का मौका भी मिलता है, लेकिन तभी कुछ ऐसा हो जाता है कि उसकी पूरी जिंदगी पलक झपकते ही बदल जाती है। ऐसे में अनिका अपना एक हाथ गवां देती हैं। अब वह किसी भी तरह अपनी जिंदगी खत्म कर लेना चाहती है। इसी दौरन अनिका की जिंदगी में एक ऐसे कोच की एंट्री होती है, जो उसे दिव्यांग होने की बजाय इस लायक बनाता है कि वह इंडिया के लिए फिर से खेल पाए। ट्रेलर की शुरुआत में महिला क्रिकेटर्स को इंडिया की जर्सी पहने हुए मैदान में उतरते देखा जा रहा है। वहीं, अगले ही पल अभिषेक बच्चन एक अंधेरे कमरे में नशे में धुत बैठे नजर आते हैं, जो बता रहे हैं कि जिंदगी लॉजिक से नहीं, बल्कि मैजिक से चलती है। इस दौरान अभिषेक के दमदार डायलॉग्स सुनने को मिलते हैं। 'चीनी कम', 'पा' और 'पैडमैन' जैसी सुपरहिट कमर्शियल फिल्में बनाने वाले आर। बाल्की अब घूमर के साथ एक और मैसेज देने की कोशिश कर रहे हैं। फिल्म के ट्रेलर को रिलीज होते ही दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिलने लगा है। ट्रेलर ने अब फिल्म के लिए उत्सुकता डबल कर दी है।

अजब-गजब | यूं ही बदनाम है गिरगिट

ये मेंढक भी बदल लेता है रूप आती है गायब हो जाने की कला!

इस दुनिया में तमाम ऐसे जीव हैं, जिनके बारे में हम ज्यादा जानते नहीं हैं। कुछ जीवों की आम प्रजातियां तो हम रोज़ाना देखते हैं, लेकिन इनकी कुछ प्रजातियां ऐसी होती हैं, जिन्हें हम नहीं देख पाए हैं। चलिए आपको मेंढक की एक ऐसी ही प्रजाति के बारे में बताते हैं, जो जादू करता है। इसे अपने शरीर को बदल लेने में ज़रा भी वक्त नहीं लगता, यानि गिरगिट तो यूं ही बदनाम है, ये मेंढक भी बहुरूपिया है।

हम आपको मेंढक की जिस प्रजाति के बारे में बता रहे हैं, वो कुदरती तौर पर ऐसा बनाया गया है कि वो अपने शरीर को शीशे की तरह पारदर्शी बना लेता है। यही वजह है कि इसे ग्लास फ्रॉग कहा जाता है। दिखने में ये बेहद नाजुक और छोटा होता है लेकिन इसकी हिम्मत गजब की होती है। बताया जाता है कि ग्लास फ्रॉग की कुल 156 प्रजातियां होती हैं। सबसे छोटी प्रजाति 0.78 इंच लंबी होती है, जबकि बड़ी प्रजातियों की लंबाई 3 इंच तक पहुंच सकती है। आमतौर पर इनका

शरीर हरे रंग का होता है लेकिन खतरा भांपते ही ये अपने पूरे शरीर को पारदर्शी बना लेते हैं। कुछ मेंढकों के शरीर पर काले, सफेद, नीले या हरे रंग के स्पॉट भी होते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक मेंढक का अपने शरीर के पारदर्शी बना लेना उसे शिकारियों से बचने में मदद देता है। वे पत्तियों और पौधों में खुद को बिल्कुल गायब कर लेते हैं और कोई इन्हें पहचान नहीं पाता। इनके शरीर के पारदर्शी होने के बाद इनके शरीर के सारे अंग देखे जा सकते हैं। यहां तक कि इनके दिल को भी धड़कते हुए साफ-साफ देखा जा सकता है। इस मेंढक दुनिया के सबसे अच्छा पिता कहा जाता है। इसकी वजह ये है कि ये जीव अपने अंडों की हिफाजत के लिए अपनी जान की बाज़ी लगाने तक में पीछे नहीं हटता। nationalgeographic की रिपोर्ट के मुताबिक इस मेंढक की ज्यादातर प्रजातियां दक्षिणी मेक्सिको, सेंट्रल और दक्षिणी अमेरिका में पाई जाती हैं। इन्हें गर्म जगहों पर रहना पसंद है।साइंस जर्नल में पब्लिश हुई रिपोर्ट बताती है कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि ग्लास फ्रॉग अपने शरीर को पारदर्शी बनाने के लिए अपने खून के बहाव से करीब 90 फीसदी रेड ब्लड सेल्स को हटा देता है और इसे अपने लिवर में पैक कर लेता है। यही वजह है कि इनका शरीर ट्रांसपैरेंट हो जाता है।

78 साल की उम्र में 3 किमी पैदल चलकर पढ़ने स्कूल जाते हैं बुजुर्ग

पढ़ने और सीखने की कोई उम्र नहीं होती है। इंसान किसी भी उम्र में पढ़ाई कर सकता है। इन दिनों एक ऐसा ही मामला सामने आया है। मिजोरम के एक 78 साल के बुजुर्ग ने स्कूली शिक्षा को पूरी करने में उम्र को बाधा नहीं बनने दिया। इस बुजुर्ग शख्स का नाम लालरिंगथारा है। वह तीन किलोमीटर की दूरी तय कर स्कूल पहुंचते हैं। सबसे खास बात यह है कि वह स्कूल यूनिफॉर्म पहनकर और किताबों से भरा बैग लेकर स्कूल जाते हैं। लालरिंगथारा मिजोरम के चम्फाई जिले के खुआंगलेंग गांव के रहने वाले हैं। लालरिंगथारा की कहानी लोगों को प्रेरणा दे रही है। हरुआइकोन गांव में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) हाई स्कूल में कक्षा-9 में प्रवेश लिया है। खुआंगलेंग गांव भारत-म्यांमार सीमा के पास स्थित है। 1945 में जन्में लालरिंगथारा को पिता की मौत होने पर कक्षा-2 के बाद पढ़ाई को छोड़ना पड़ा था। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वह अपने माता-पिता की अकेली संतान थे, जिसकी वजह उन्हें कम उम्र में खेतों में अपनी मां की मदद करने के लिए मजबूर होना पड़ा। वह अपनी आजीविका कमाने के लिए स्थानीय प्रेस्बिटेरियन चर्च में गार्ड के तौर पर काम कर रहे हैं। गरीबी की वजह से उनका स्कूली करियर के कई साल बर्बाद हो गए। अंग्रेजी कौशल में सुधार के लिए फिर स्कूल वापस गए। उनकी पढ़ाई का मुख्य लक्ष्य अंग्रेजी में प्राथना पत्र लिखने और टेलीविजन समाचार रिपोर्टों को समझने में सक्षम होना है। लालरिंगथारा मिजो भाषा में पढ़ और लिख सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, लालरिंगथारा को मिजो भाषा पढ़ने और लिखने में कोई समस्या नहीं है, लेकिन अंग्रेजी भाषा सीखने की वजह से उनकी शिक्षा की इच्छा बढ़ी है। उनका कहना है कि साहित्य में कुछ अंग्रेजी के शब्द होते हैं, जिससे वह भ्रमित हो जाते हैं। इसलिए उन्होंने अंग्रेजी भाषा में ज्ञान को बढ़ाने के लिए वापस स्कूल जाने का फैसला किया। न्यू हरुआइकॉन मिडिल स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक वनलालकिमा के मुताबिक, लालरिंगथारा छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए समान रूप से एक प्रेरणा और चुनौती है।

जनेश्वर मिश्र की जयंती आज, अखिलेश यादव ने किया माल्यार्पण

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार को जनेश्वर मिश्र की जयंती पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उनके अनुभवों को साझा किया। इस मौके पर उन्होंने जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। वहीं कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। बता दें कि जनेश्वर मिश्र की गिनती देश के साफ तथा ईमानदार छवि वाले नेताओं में थी। छोटे लोहिया के नाम से विख्यात जनेश्वर मिश्र का जन्म 5 अगस्त 1933 को बलिया जिले के शुभनथही गांव में हुआ था। सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेहद करीबियों में जनेश्वर मिश्र की गिनती होती थी।

नूंह में शांति बहाली के प्रयास जारी

» अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा के नूंह जिला प्रशासन की अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई तीसरे दिन भी जारी रही। साथ ही प्रशासन हरियाणा में शंति बहाली की भी कोशिश में जुटा है। आज सुबह लगभग दो दर्जन मेडिकल स्टोर और अन्य दुकानों को जमींदोज किया गया। प्रशासन ने गुरुवार शाम को हिंसा प्रभावित नूंह से करीब 20 किमी दूर तावडू में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर रहने वाले अप्रवासियों की झोपड़ियों को तोड़ दिया था। नूंह में नलहड़ के शहीद हसन खान मेवाती सरकारी मेडिकल कॉलेज में भारी पुलिस तैनाती के बीच अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने स्थित लगभग दो दर्जन दुकानों, जिनमें ज्यादातर फार्मेसी थीं, को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर चलाया गया, ये दुकानें वहां वर्षों से हैं।

जिला प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद रहीं, अलग-अलग इलाकों में अब तक 50 से 60 निर्माण तोड़े जा चुके हैं, गिरफ्तारी के डर से कई लोग भाग गए हैं।

त्रिपुरा में हिजाब को लेकर बवाल, भीड़ ने 10वीं के छात्र को पीटा

अगरतल्ला। कर्नाटक से शुरू हुआ हिजाब को लेकर विवाद अब त्रिपुरा तक पहुंच गया है। त्रिपुरा के एक सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले 10वीं कक्षा के एक लड़के पर भीड़ ने कथित तौर पर हमला कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार छात्र ने हिजाब पहने मुस्लिम लड़कियों को कक्षाओं में जाने से रोकने पर आपत्ति जताई थी। छात्र की पहचान इलियास सरकार सुमन के रूप में हुई है, जिसे कुछ लोगों ने उसकी कक्षा से बाहर खींच लिया और पूरे स्कूल के सामने पीटा, लेकिन कोई भी शिक्षक या प्रधानाध्यापक लड़के के बचाव में नहीं आया। हालांकि पुलिस की तरफ से मामले में किसी भी तरह के धार्मिक एंगल की बात से इनकार किया गया है। घटना त्रिपुरा के सिपाहीजला जनपद की है।

विश्व हिंदू परिषद के धार्मिक जुलूस को रोकने की कोशिश को लेकर हुई झड़प के बाद पूरे नूंह में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, पिछले कुछ दिनों में गुरुग्राम में हिंसा फैल गई है, इस सांप्रदायिक हिंसा के दौर में दो होम गार्ड और एक मौलवी समेत छह लोगों की मौत हो गई है। सूत्रों ने बताया कि जिला प्रशासन ने उन सभी अवैध कब्जों को हटाना शुरू कर दिया है, जिन्हें पिछले कई सालों से नहीं हटाया जा सका था।

स्थानीय विधायक और कांग्रेस विधायक दल के उपनेता आफताब अहमद ने इस तरह की कार्रवाई पर विरोध जताया है।

हरियाणा में कोई सरकार नहीं : जमात-ए-इस्लामी हिंद

नई दिल्ली। हरियाणा के नूंह में भड़की हिंसा पर जमात-ए-इस्लामी हिंद ने वहां की राज्य सरकार को निशाने पर लिया है. जमात-ए-इस्लामी के राष्ट्रीय सचिव शफीक मदनी ने कहा, ऐसा लगता है जैसे हरियाणा में सरकार ही नहीं है. उन्होंने हिंसा के लिए नाकामी का ठीकरा प्रशासन के सिर फोड़ा। मदनी ने कहा, जिस तरह से जल अभिषेक के नाम पर जुलूस निकाला गया, उसके लिए इस बार बहुत पहले से तैयारी की गई। जो वीडियोज सामने आईं हैं, उससे लगता है कि बहुत गड़बड़ हुई है, इस हिंसा की तैयारी पहले से की गई थी, प्रशासन को जो करना चाहिए था,उसने वह नहीं किया, वहां सांप्रदायिक हिंसा हुई, दो होमगार्ड मारे गए। मदनी ने कहा, सरकार को भी अपने रवैये को बेहतर बनाना होगा और मीडिया को भी, ताकि मुल्क में हालात को बेहतर बनाया जा सके। साथ ही आरोप लगाया कि जो लोग सत्ता में हैं, अमन बनाए रखने में उनकी दिलचस्पी नहीं है।

आज से चांद का चक्कर लगाएगा चंद्रयान-3

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 की 23 अगस्त को शाम 5:47 बजे चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास करने की योजना है। हालाँकि, चंद्रमा के सूर्योदय के कारण समय में बदलाव हो सकता है। यदि आवश्यक हुआ, तो इसरो सितंबर के लिए लैंडिंग को पुनर्निर्धारित किया जा सकता है। चंद्रयान 3 के लिए शनिवार का दिन अहम है।

इसरो के वैज्ञानिक स्पेसक्राफ्ट को शाम करीब शाम 7 बजे चंद्रमा की कक्षा में पहुंचाएंगे। अगस्त के पहले सप्ताह तक, चंद्रयान-3 चंद्रमा के चारों ओर 5-6 चक्कर पूरे कर लेगा और सबसे आंतरिक घेरे के करीब पहुंच जाएगा। अगले 10 दिनों में यह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में सटीक लैंडिंग स्थान निर्धारित करेगा, जैसा कि केंद्रीय अंतरिक्ष मंत्री जितेंद्र सिंह ने घोषणा की थी। चंद्रयान-3 की 23 अगस्त को शाम 5:47 बजे पर चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास करने की योजना है। हालाँकि, चंद्रमा के सूर्योदय के कारण समय में बदलाव हो सकता है। यदि आवश्यक हुआ, तो इसरो सितंबर के लिए लैंडिंग को पुनर्निर्धारित किया जा सकता है।

फोटो: 4 पीएम

प्रेस वार्ता यूपी प्रेस क्लब में भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने किसानों की समस्या को लेकर प्रेस वार्ता की।

कंटेनर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में मारी टक्कर, छह श्रद्धालुओं की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हाथरस में हुआ दर्दनाक हादसा

हाथरस। हाथरस के सादाबाद में शुक्रवार देर रात कंटेनर ने गोवर्धन परिक्रमा को जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में टक्कर मार दी। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और आठ घायल हो गए। घायलों को सादाबाद के सामुदायिक स्वास्थय केंद्र, हाथरस जिला अस्पताल, अलीगढ़ के जेएन मेडिकल कॉलेज और आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

शुक्रवार देर रात एटा के जलेसर से ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर श्रद्धालु मथुरा के गोवर्धन में परिक्रमा करने के लिए निकले। जैसे ही ट्रैक्टर-ट्रॉली हाथरस के सादाबाद रोड पर पहुंची, एक तेज रफ्तार में आते हुए कंटेनर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। कुछ लोग उसके नीचे दब गए, जिससे वहां पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे। हादसे में घायल श्रद्धालुओं को सादाबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हाथरस जिला अस्पताल, अलीगढ़ के जेएन मेडिकल कॉलेज और आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां उनका उपचार जारी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

ममता बनर्जी की तस्वीर के साथ कोलकाता की सड़कों पर लगे पोस्टर

'अबकी बार दिल्ली में इंडिया सरकार'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की घोषणा के ऐलान के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में इसका असर दिखने लगा है। राजधानी कोलकाता में गठबंधन इंडिया को लेकर नए पोस्टर लगे हैं, जगह-जगह पर लगे इन पोस्टर में दिल्ली की ओर इशारा करते हुए ममता बनर्जी की तस्वीर के साथ लिखा गया है- अब बार दिल्ली में इंडिया सरकार, खास बात ये है कि बंगाल में लगे इन पोस्टर पर हिंदी में लिखा गया है।

2024 के लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए का विजय रथ रोकने के लिए 26 विपक्षी दल एक साथ आए हैं, बेंगलुरु में 18 जुलाई को इन दलों की एक बैठक कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में हुई थी, जहां सभी ने इंडियन नेशनल डेवलवमेंटल इनक्लूसिव एलायंस- इंडिया नाम से एनडीए विरोधी मोर्चा बनाने की घोषणा की थी।

गठबंधन सरकारों से सचेत रहे देश : धनखड़

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इंडिया नामक गठबंधन का नाम लिये बिना देश को गठबंधन सरकार के युग में जाने के प्रति सचेत किया और बहुमत वाली सरकार के लाभ गिनाये। उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश ने 2014 के बाद एक ''बड़ा बदलाव'' देखा है क्योंकि उसे एक ऐसी सरकार मिली है जहां तीन दशकों के गठबंधन शासन के बाद एक ही पार्टी के पास बहुमत है। नागपुर में भारतीय राजस्व सेवा के 76वें बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं और राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी (एनएडीटी) में ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने हाल में संसद द्वारा पारित मध्यस्थता विधेयक 2021 की सराहना करते हुए कहा कि इससे समाज के एक बड़े वर्ग को मदद मिलेगी जो कमजोर है। उन्होंने कहा कि संसद ने 40 से अधिक अधिनियमों में संशोधन किया और उनमें से जेल की सजा का प्रावधान हटा दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा, ''ये बदलाव... बहुत पहले हो जाने चाहिए थे। लेकिन अब हम सही रास्ते पर हैं।'' उन्होंने कहा कि संकट हमेशा एक अवसर प्रदान करता है और जब कोई चुनौती का डटकर सामना करता है तो वह भी एक अवसर बन जाता है।

इसी महीने होगी गठबंधन की तीसरी बैठक

कोलकाता में ये पोस्टर ऐसे समय में लगाए गए हैं, जब इसी महीने के आखिर में इंडिया गठबंधन की तीसरी बैठक होने वाली है. इंडिया गठबंधन की ये बैठक आगामी 31 अगस्त और 1 सितम्बर को मुंबई में होनी है। सूत्रों के हवाले से बताया है कि ये बैठक भी बेंगलुरु की तरह ही होगी। इसमें पहले दिन 31 अगस्त को रात्रिभोज का कार्यक्रम रखा गया है।1 सितम्बर को दिन में मुख्य बैठक होगी। उसी दिन बैठक के बाद विपक्षी गठबंधन के नेता संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। विपक्षी दलों की पहली बैठक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बुलावे पर बीती 23 जून को पटना में हुई थी, इस बैठक में पीएम मोदी को अगले चुनाव में सत्ता से हटाने के लिए एकजुट होकर चुनाव लड़ने की रणनीति पर सहमति बनी थी।

एनसीपी-शिवसेना यूबीटी करेंगे मेजबानी

विपक्षी गठबंधन की तीसरी बैठक की मेजबानी शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) मिलकर करेंगी। दोनों ही पार्टियां महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ महाराष्ट्र विकास अघाड़ी गठबंधन का हिस्सा हैं।

उत्तर भारत में झमाझम बारिश

मौसम विभाग का येलो अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली समेत उत्तरभारत के कई इलाकों में कल से आये मौसम में बदलाव के बाद आज भी सवेरे से बारिश हो रही है। देर रात से दिल्ली-एनसीआर में बादल छाये हुए थे। मौसम विभाग ने आज और कल के लिए दिल्ली एनसीआर में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया हुआ है।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश हो रही है। दिल्ली में कल से आये मौसम में बदलाव के बाद आज भी सवेरे से बारिश हो रही है। देर रात से दिल्ली-एनसीआर में बादल छाये हुए थे। मौसम विभाग ने आज और कल के लिए दिल्ली एनसीआर में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया हुआ है। कल के बाद आ हो रही बारिश से तामपमान में कमी आएगी और साथ ही एनसीआर के लोगों को राहत मिलेगी। अगर तेज धूप नहीं निकली तो मौसम सुहाना बना रहने की उम्मीद है।

जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर दी जाएगी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्कूल ऑफ पॉलिसी एंड गवर्नेंस (एसपीजी) ने चार से छह अगस्त 2023 तक लखनऊमें अपने उत्तरी क्षेत्रीय समूह के लिए नेट जीरो फेलोशिप कार्यशाला शुरू की है। यह परिवर्तनकारी कार्यशाला गोवा और गुवाहाटी में क्षेत्रीय कार्यशालाओं के सफल समापन के बाद भारत में जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों का हल तलाश करने के लिए 100 उभरते राजनीतिक और सार्वजनिक अग्रदूतों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएगी।

एसपीजी द्वारा मार्च से दिसंबर तक भारत भर में क्षेत्रीय कार्यशालाओं की एकश्रृंखला आयोजित हो रही है। इसके माध्यम से समाज और राजनैतिक प्रतिनिधियों को जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभाव के साथ-साथ पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के नए तरीकों से परिचित कराया जाता है। नीति निर्माता, पर्यावरणकार्यकर्ता और युवा नेता सक्रिय रूप से कार्यशाला के दौरान चर्चाओं,ज्ञान-साझाकरण सत्रों और सहयोगी गतिविधियों में भाग लेते हैं। यह सीखने औरनेटवर्किंग के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है। एसपीजी को आईआईएम-लखनऊ के साथ संयुक्त रूप से लखनऊ में सतत विकास के लिए नेताओं को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए उत्तरी क्षेत्रीय कार्यशाला की मेजबानी करने पर गर्व है।

» लखनऊ में नेट जीरो फेलोशिप पर कार्यशाला

युवा नेताओं को सकारात्मक होना होगा : कृष्णन

कार्यक्रम समन्वयक श्रीलता कृष्णन का कहना है कि एसपीजी एक समावेशी मंच को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जोकि युवा नेताओं को सकारात्मक बदलाव लाने और जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग सेनिपटने के लिए भारत की योजनाओं में योगदान करने के लिए सशक्त बनाता है। कार्यशाला में भाग लेने वाले फैलो को जलवायु परिवर्तन और नेट जीरो पर अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं और विशेषज्ञों से रूबरू होने का मौका होगा। जलवायु चुनौतियों से निपटने में उनकी समझ और क्षमताओं को बढ़ाने देने के साथ उन्हें मार्गदर्शन, एकल समर्थन और संसाधनों के नेटवर्क से लाभ मिल सकेगा। नेट जीरो फ़ेलोशिप क्षेत्रीय कार्यशाला प्रतिभागियों के बीच महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम करने के साथ-साथ उनके व्यक्तिगत योगदान के लिए सबसे बड़े अवसरों का मौका होगी। शैक्षणिक अभ्यास के लिए राजनेताओं के साथ जुड़ने के अनुभव पर रूचिर पंजाबी का कहना है कि उनमें से अधिकांश सीखना चाहते हैं। जब सीखने की बात आती है तो अधिकांश राजनेता असहमत होने की तुलना में अधिक चीजों पर सहमत होते हैं। हमारा उद्देश्य उन्हें चर्चा के लिए सुरक्षित स्थान देना है। जहां वे बिना किसी आलोचना के जलवायु परिवर्तन के बारे में चर्चा करें और इसके बारे में सीख सकें।

कार्यशाला वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के लिए समाधान देने के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावादेने, जलवायु कार्रवाई पर गहन चर्चा और विचार-मंथन के लिए अनुकूल वातावरणप्रदान करने का प्रयास करेगी। एसपीजी के अध्यक्ष रुचिर पंजाबी का कहना हैकि भारत ने पंचामृत के माध्यम से नेट जीरो इमिसन हासिल करने पर अपना ध्यानकेंद्रित किया है। इस फेलोशिप को उभरते नेताओं को अपने समुदायों और रास्ते में सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए सशक्त बनाने और कार्बन-मुक्त दुनिया के लिए आगे बढ़ने के लिए तैयार किया है।

भारतीय महिला टीम ने साधा स्वर्णिम निशाना

» विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में कंपाउंड टीम ने रचा इतिहास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने मेक्सिको को हराकर विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय महिला टीम ने एकतरफा फाइनल मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त मेक्सिको को 235-229 से हराकर विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में देश का पहला स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ ही भारत ने इस विश्व कप में अपने पदक का खाता खोला।

भारत ने इससे पहले सेमीफाइनल में कोलंबिया और क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपै को हराया था। भारत ने 1981 में पुंटा अला (इटली) में विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप की शुरुआत के बाद यह पहली बार तीरंदाज विश्व चैंपियन बना है। भारत इससे पहले विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में रिकर्व वर्ग में चार बार और गैर-ओलंपिक कंपाउंड वर्ग में पांच बार फाइनल में हार चुका है। ज्योति ने कहा कि हम प्रक्रिया पर ध्यान दे रहे है। हमने पर्याप्त रजत पदक जीते थे और हमने कल सोच लिया किया था कि हम स्वर्ण जीतेंगे। यह एक शुरुआत है और हम और अधिक पदक जीतेंगे।'स टूर्नामेंट में भारत के सभी रिकर्व तीरंदाज पदक की दौड़ से बाहर हो गए हैं। धीरज बोम्मदेवरा और सिमरनजीत कौर के गुरुवार को प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने रिकर्व वर्ग में भारत की चुनौती खत्म हो गयी है। भारत ने पिछली बार डेन बॉश नीदरलैंड में 2019 सत्र में विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप के रिकर्व वर्ग में पदक जीता था।

पुरुषों ने रजत पदक जीता

तरुणदीप राय, अतनु दास और प्रवीण जाधव की पुरुष टीम ने रजत पदक जीता था। मेक्सिको के खिलाफ फाइनल में तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने पहले तीन दौर में 60 में 59-59 अंक बनाये। इससे भारत ने 177-172 की बढ़त बना ली। भारत ने चौथे दौर में 58 के स्कोर के साथ मुकाबला जीत लिया। विश्व चैम्पियनशिप में यह ज्योति का कुल सातवां पदक है। उन्होंने इस स्वर्ण से पहले चार रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं। ज्योति, अदिति और परनीत व्यक्तिगत स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंच कर पदक की दौड़ में हैं। परनीत के सामने अंतिम-आठ में ज्योति की चुनौती होगी तो वहीं अदिति का मुकाबला नीदरलैंड की सन्ने डी लाट से होगा।